

विनोद विहारी महतो कोयलान्वल
विश्वविद्यालय, झांखंड

सत्र 2020-23 से प्रभावी पाठ्यक्रम

स्नातक संस्कृत प्रतिष्ठा

स्वचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System

(CBCS)

विनोद बिहारी महतो कीयलांचल विश्वविद्यालय, झारखण्ड

वी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र

Credit-5+1

सत्र 2020-23 से प्रभावी

पूर्णांक-100

SAN-H-C-101

पूर्णांक-80

खण्ड-क

अवधि-3 घंटे

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास

इसमें कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्नसंख्या-01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम :- Credit-5 :-

1. शब्दरूप :- पाठ्यशब्दरूप - देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद्।
2. धातुरूप :- लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, एवं लृट् लकार में।
पाठ्यधातुरूप :- पठ्, पच्, भृ, कृ, अस्, अद्, हन्, हृ, दिव्, रुध्।
3. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
4. संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास चतुर्थ परिच्छेद (पाणिनि तथा उनके पश्चात्कर्तृ व्याकरण)

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे। दस शब्द पूछे जाएंगे।

4x5

तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच धातुओं के रूप अपेक्षित होंगे। दस धातुएँ पूछी जाएंगी।

4x5

चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद । संस्कृत तथा हिन्दी दोनों के लिए दो-दो अनुच्छेद पूछे जायेंगे ।

10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में पाणिनि तथा उनके पश्चा-तवर्ती वैयाकरणों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा ।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ?
उमाकांत मिश्र, भारती भवन, पटना
2. बृहद् अनुवाद चंद्रिका - चक्रधर हंसनीटियाल,
मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली 1
3. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15 + 05 = 20 अंक

Credit-1

Credit 5+1

SAN- H- C -102

पूर्णांक -100

पूर्णांक -80

खण्ड-क

अवधि-3घंटे

लघुसिद्धान्तकौमुदी एवं दर्शन

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम :- 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी - प्रत्याहार, संज्ञा, संधि, तथा पारिभाषिक शब्द ।

2. जैन दर्शन 3. बौद्ध दर्शन

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पिक) रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएंगे ।

2x10

द्वितीय प्रश्न में चार संज्ञा सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाएगी ।
दः संज्ञासूत्र पूछे जाएंगे ।

5x4

तृतीय प्रश्न में संधि प्रकरण से चार सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या पूछी जाएगी । दः सूत्र पूछे जाएंगे ।

5x4

चतुर्थ प्रश्न में सूत्र निर्देशपूर्वक किन्हीं चार की सन्धि ।
दः सन्धियाँ पूछी जाएंगी ।

5x4

पाँचवें से आठवें प्रश्न में जैन तथा बौद्ध दर्शन दोनों से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा ।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी - व्याख्याकार डॉ० महेश सिंह कुशवाहा ।

2. भारतीय दर्शन - डॉ० बलदेव उपाध्याय ।

खण्ड-ख :- Credit-1

आन्तरिक मूल्यांकन 15+05 = 20 अंक

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम :- 1. शब्दरूप :- पाठ्यशब्दरूप - देव, कवि, भानु, पितृ, लता,
मति, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, सर्व, सद्, एतद्, यद्, इदम्,
अस्मद्, जगत्, तथा युष्मद्।

2. धातुरूप :- पाठ्यधातुरूप - पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, ऊद्,
हन्, ह्र, दिव्, रुध्, क्री, चूर्, तथा सेव्।

3. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 4. संस्कृत से हिन्दी
में अनुवाद 5. संस्कृतशास्त्रों का इतिहास चतुर्थ परिच्छेद (पाणिनि तथा
पश्चात्तवर्ती वैयाकरण)

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :- प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित
वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों
के रूप देय होंगे। दस शब्द पूछे जाएंगे।

4x5

तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच धातुओं के रूप
अपेक्षित होंगे। दस धातुएँ पूछी जाएंगी।

4x5

चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा
एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद। संस्कृत तथा हिन्दी दोनों के लिए
दो-दो अनुच्छेद पूछे जाएंगे।

10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में पाणिनि तथा उनके पश्चात्तवर्ती
वैयाकरणों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न
20 अंकों का होगा।

अनुशासित पुस्तकें :- 1. संस्कृतशास्त्रों का इतिहास - डॉ. बलदेव उपाध्याय।
2. बृहद् अनुवाद चंद्रिका - चक्रधर इंसा नौटियाल।

खण्ड-ख :-

Credit-1,

आन्तरिक मूल्यांकन - 15 + 05 = 20 अंक

Credit-5+1

पूर्णांक - 100

SAN-H-C-201

खण्ड - क

पूर्णांक - 80

ज्योतिष एवं आयुर्वेद

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम :-

(1) मुहूर्तचिन्तामणि

40

(क) नक्षत्र प्रकरण (ख) संस्कार प्रकरण

(2) नीतिशतक - 1-50 श्लोक

40

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ 10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में मुहूर्तचिन्तामणि के उपर्युक्त दोनों प्रकरणों से चार श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल 08 श्लोक पूछे जाएंगे।

तृतीय प्रश्न में दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल चार श्लोक पूछे जाएंगे।

5x4

2x10

चतुर्थ प्रश्न में दोनों ग्रंथों के पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित पाँच लघुतरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

4x5

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुशासित पुस्तकें :-

(1) मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामदेवजगरचित

(2) नीतिशतक - भर्तृहरि प्रणीत

खण्ड - ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20

Credit-01

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-C-202

पूर्णांक-80

खण्ड-क दर्शन

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्नसंख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम

1. तर्कसंग्रह

20

2. निम्न दर्शनों के सामान्य परिचय

60

(क) चार्वाक (ख) वेदांत (ग) योग (घ) सांख्य

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में तर्कसंग्रह से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में चार्वाक या वेदांत दर्शन से संबद्ध एक-एक कुल दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। दोनों दर्शनों से 2-2 प्रश्न पूछे जाएंगे।

10x2

चतुर्थ प्रश्न में योग एवं सांख्यदर्शन से संबद्ध एक-एक कुल दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। दोनों दर्शनों से दो-दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में ऊपर्युक्त चारों दर्शनों से एक-एक प्रश्न कुल 04 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुशासित पुरतक :-

भारतीय दर्शन - चटर्जी एवं दत्त

भारतीय दर्शन की रूपरेखा - प्रो० एस पी० सिन्हा

खण्ड-ख

आवृत्तिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit 5+1

SAN-H-G.E-204

पूर्णांक 100

खण्ड-क : ज्योतिष एवं आयुर्वेद

पूर्णांक-80

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें 4 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम :-

- (1) मुहूर्तचिन्तामणि 40
(नक्षत्र एवं संस्कार प्रकरण)
- (2) नीतिशतक 40
(1-50 श्लोक)

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देशः -

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में मुहूर्तचिन्तामणि के उपर्युक्त दोनों प्रकरणों से चार श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे।

5x4

तृतीय प्रश्न में नीतिशतक के दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल 04 श्लोक पूछे जाएंगे।

10x2

चतुर्थ प्रश्न में दोनों ग्रंथों के पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

4x5

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20

खण्ड-क: संस्कृत साहित्यका इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या-1 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम: - 1. संस्कृत साहित्यका इतिहास 80

रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गयकाव्य

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश: -

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 2X10

द्वितीय प्रश्न में कुल-चार टिप्पणियाँ लिखनी हैं।
कुल 4: टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी। 5X4

तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत के दो प्रमुख पात्रों के चरित्र-चित्रण अपेक्षित होंगे। दोनों से दो-दो कुल-चार चरित्र चित्रण प्रष्टव्य होंगे। 10X2

चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गयकाव्य से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। 10X2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में ऊपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुशंसित पुस्तकें:-

संस्कृत साहित्यका इतिहास: आचार्य (डॉ०) बलदेव
उपाध्याय

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit -1

Credit 5+1
SAN -H-C-302

पूर्णांक-100

खण्ड-क :- गद्य एवं नाट्य

पूर्णांक 80

अवधि-3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्नसंख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम - Credit 5 :-

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - 30

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-4 अंक) - 50

प्रश्नचयन संबंधी निर्देशः :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में किरातार्जुनीयम् से 01 तथा अभिज्ञान-शाकुन्तलम् से 01 श्लोक की व्याख्या संस्कृत में करनी है। कुल 4 श्लोक पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से दो-दो श्लोकों कुल चार के अर्थ लिखने हैं। कुल 08 श्लोक पूछे जाएंगे।

5x4

चतुर्थ प्रश्न में किन्हीं दो पर विष्णुगणों लिखनी हैं कुल 04 पूछी जाएंगी।

2x10

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से दो-दो कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन :- 15+05 = 20

Credit-01

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-C-303

खण्ड-क :- स्मृति साहित्य एवं शिलालेख

पूर्णांक-80

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम :-

1. याज्ञवल्क्यस्मृति (आचार अध्याय) - 40

2. उत्कीर्णलेख पंचकम् (1-3 लेख) - 40

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश:-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित
कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में याज्ञवल्क्यस्मृति से दो अंश
की व्याख्या करनी है। चार अंश पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में ऊपर्युक्त ग्रंथों से चार श्लोकों का
हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। दोनों से कुल दूः श्लोक पूछे जाएंगे।

5x4

चतुर्थ प्रश्न में दो टिप्पणियाँ लिखनी हैं कुल
चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।

2x10

पाँचवें से आठवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश पर
आधारित कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

आवधिक मूल्यांकन - 15+05=20

Credit - 1

Credit 5+1

पूर्णांक: 160

SAN-HGE304

खण्ड-क: संस्कृत साहित्यका इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे- जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या-1 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम:- 1. संस्कृत साहित्यका इतिहास 80

रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गद्यकाव्य

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x10

द्वितीय प्रश्न में कुल-चार टिप्पणियाँ लिखनी हैं।
कुल 4: टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी। 5x4

तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत के दो प्रमुख पात्रों के चरित्र-चित्रण अपेक्षित होंगे। दोनों से दो-दो कुल-चार चरित्र चित्रण प्रष्टव्य होंगे। 10x2

चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गद्यकाव्य से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। 10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुशासित पुस्तकें:-

संस्कृत साहित्यका इतिहास : आचार्य (डॉ०) बलदेव
उपाध्याय

खण्ड-ख

आवृत्तिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit -1

वी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

Credit - 5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-C-401

खण्ड-क :- गद्य

पूर्णांक 80

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit- 5

पाठ्यक्रम :-

1. शिवराजविजय (प्रथम तथा द्वितीय निःश्वास) - 80
(पं० अम्बिकादत्त व्यास)

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2X10

द्वितीय प्रश्न में शिवराजविजय के पाठ्यांश से दो अंशों की व्याख्या एक संस्कृत में तथा एक हिन्दी में करनी है। कुल चार अंश अंश पूछे जाएंगे।

10X2

तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियों अपेक्षित होंगी। इन्हें टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।

5X4

चतुर्थ प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों तथा घटनाओं पर आधारित दो लघुतरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे।

10X2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में शिवराजविजय, इसके रचयिता तथा पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit- 01

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-C-402

खण्ड-क :- व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास

पूर्णांक-80

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम :-

1. लघुसिंहातकौमुदी (समास तथा कारक प्रकरण)

-40

2. पाणिनि के पूर्व वैयाकरण - 40

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2X10

द्वितीय प्रश्न में समास प्रकरण से चार सूत्रों की व्याख्या अपेक्षित होगी। इः सूत्र पूछे जाएंगे।

5X4

तृतीय प्रश्न में कारक प्रकरण से चार सूत्रों की व्याख्या करनी है। इः सूत्र पूछे जाएंगे।

5X4

चतुर्थ प्रश्न में कारक एवं समास प्रकरण से चार प्रयोगों की सिद्धि अपेक्षित होगी। इः प्रयोग पूछे जाएंगे।

5X4

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुशासित पुस्तकें :- संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय
व्याकरण शास्त्र का इतिहास - वाचस्पति जोरिला

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+5 = 20

Credit-01

Credit-5+1

SAN-H-C-403

खण्ड-क :- वेद

पूर्णांक-80

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें 4 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5
पाठ्यक्रम

1. संहिता - दिन्यू वैदिक सेलेक्शन भाग- 01
तैलंग एवं चौबे - भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी

पाठ्य - ऋग्वेद - अग्नि 1.1, रुद्र 11.33 वाक्, X-125,
संज्ञान X-191, शुक्लयजुर्वेद - पुरुष XXX 11-16, शिवसंकल्प XXXIV-1-6
अथर्ववेद - पृथिवी X 11.1

- 80

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2X10

द्वितीय प्रश्न में ऋग्वेद एवं शुक्लयजुर्वेद के निर्धारित पाठ्यांश से दो मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या अपेक्षित होगी। चार मंत्र पूछे जाएंगे।

तृतीय प्रश्न में उक्त तीनों वेदों के पाठ्यांश से चार मंत्रों का अर्थ अपेक्षित होगा। कुल 8 मंत्र पूछे जाएंगे।

10X2

चतुर्थ प्रश्न में उक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। कुल 8 टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी।

5X4

पाँचवें से आठवें प्रश्न में चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

5X4

खण्ड-खआन्तरिक मूल्यांकन :-

15+5 = 20 अंक

Credit-1

वी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

Credit-5+1

पूर्णांक - 100

SAN-H-GE-404

पूर्णांक - 80

खण्ड-क :- गद्य एवं दर्शन

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें 4 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम :-

1. शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास) - 40
(पं० अम्बिकादत्त व्यास)

2 जैन दर्शन-20, 3. बौद्ध दर्शन - 20

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2X10

द्वितीय प्रश्न में शिवराजविजय से एक अंश की संस्कृत व्याख्या तथा एक अंश का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार अंश पूछे जाएंगे।

तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। इः टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।

10X2

चतुर्थ प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों तथा घटनाओं पर आधारित दो लघूत्तरीय प्रश्न अपेक्षित होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएंगे।

5X4

पाँचवें से आठवें प्रश्न में शिवराजविजय, इसके रचयिता, तथा जैन दर्शन एवं बौद्ध दर्शन पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

10X2

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit-1

Credit 5+1

SAN-H-C-501

पूर्णांक-100

पूर्णांक-80

खण्ड-क :- उपनिषद् एवं आख्यान

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम Credit 5 : (1) हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् 40

(2) कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) 40

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में दो अंशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल चार अंश प्रष्टव्य होंगे।

10x2

चतुर्थ प्रश्न में दोनों ग्रंथों से दो विष्णु अपेक्षित हैं। चार विष्णु प्रष्टव्य होंगे।

10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-01, आवधिक मूल्यांकन - 15+05 = 20

वी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-C-502

पूर्णांक - 80

खण्डकः भाषाविज्ञान

अवधि-उघंटें

स पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्नसंख्या 01 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम :-

1. सामान्य भाषाविज्ञान -

80

(भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, भाषाओं का वर्गीकरण, वाक्यविज्ञान, रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान)।

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में भाषा की उत्पत्ति और भाषा की परिभाषा से संबंधित दो लघुतरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में भाषाओं का वर्गीकरण और वाक्यविज्ञान से दो लघुतरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे।

चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। इः टिप्पणियाँ प्रष्टव्य होंगी।

10x2

5x4

पांचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुशंसित पुस्तकें :-

भाषाविज्ञान - डॉ० भोलानाथ तिवारी

भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा

खण्ड-ख

Credit-1,

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05=20 अंक-

Credit-5+1

SAN- H-DSE-503 (Group A)

खण्ड-क :- काव्य

अवधि-3 घंटे

पूर्णांक-80

Credit-5

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5, पाठ्यक्रम - (1) मेघदूत (पूर्वमेघ) - 40

(2) कुमारसंभव (पंचम सर्ग) - 40

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में मेघदूत से एक तथा कुमारसंभवम् से 01 श्लोक की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार श्लोक पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में चार लघुतरीय प्रश्न अपेक्षित होंगे। कुल 4 प्रश्न पूछे जाएंगे।

4x5

चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों काव्यों से दो-दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल 4 श्लोक पूछे जाएंगे।

4x5

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-1.

आवृत्तिक मूल्यांकन - 15+05=20 अंक

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

पूर्णांक-100

Credit-5+1

SAN-H-DSE-503 (Group B)

खण्ड-क :- अर्थशास्त्र

अवधि 3 घंटे

पूर्णांक-80

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5, पाठ्यक्रम :- (1) कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम तथा द्वितीय अधिकरण)
-80

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।
2X10

द्वितीय प्रश्न में दो पद्यों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार पद्य पूछे जाएंगे।
2X10

तृतीय प्रश्न में चार पद्यों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। छः पद्य पूछे जाएंगे।
5X4

चतुर्थ प्रश्न में पाठ्यांश पर आधारित दो टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। कुल चार टिप्पणियाँ प्रस्तुत होंगी।
5X4

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-1, आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-DSE-504 (Group A)

खण्ड-क : काव्यशास्त्र

अवधि 3 घंटे

पूर्णांक-80

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे- जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम

1. काव्यदीपिका (प्रथम से चतुर्थ शिखा) -
कावितचन्द्र भट्टाचार्य

80

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में प्रथम एवं द्वितीय शिखा से दो कारिकाओं की व्याख्या अपेक्षित होगी। 4 कारिकाएँ पूछी जाएँगी।

10x2

तृतीय प्रश्न में तृतीय एवं चतुर्थ शिखा से दो कारिकाओं की व्याख्या अपेक्षित होगी। चार कारिकाएँ पूछी जाएँगी।

5x4

चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित दो टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। कुल 4 टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-1.

आन्तरिक मूल्यांकन- 15+5=20 अंक

वी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-DSE-504 (Group B)

खण्डक: अलंकार एवं नाट्य

अवधि 3 घंटे

पूर्णांक-80

पाठ्यक्रम:-

1. प्रतिमानाटकम् - 40

2. काव्यदीपिका पंचम एवं षष्ठ शिखा - 40

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश:-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे।

2X10

द्वितीय प्रश्न में प्रतिमानाटक के पाठ्यांश से एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या तथा एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद करना है। चार श्लोक पूछे जाएँगे।

10X2

तृतीय प्रश्न में काव्यदीपिका के पंचम एवं षष्ठ शिखा से दो कारिकाओं की व्याख्या अपेक्षित होगी। चार कारिकाएँ पूछी जाएँगी।

10X2

चतुर्थ प्रश्न में ऊपर्युक्त पाठ्यांश से दो लघुतरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे।

10X2

पांचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड-ख

Credit-1, आन्तरिक मूल्यांकन = 15+05 = 20 अंक

वी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-C-601

पूर्णांक-80

खण्ड-क : काव्यशास्त्र एवं छन्द

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम :-

1. काव्यदीपिका - सप्तम एवं अष्टम शिखा - 50
2. छन्दोमञ्जरी - 30

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में काव्यदीपिका से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित होंगे। चार अलंकार पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में दो श्लोकों का लक्षण सहित अलंकार-निर्देश अपेक्षित होगा। चार श्लोक पूछे जाएंगे।

10x2

चतुर्थ प्रश्न में छन्दोमञ्जरी से दो छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण देय होंगे। चार छन्द पूछे जाएंगे।

10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-1

आन्तरिक मूल्यांकन :- 15+5=20 अंक

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-C-602

पूर्णांक-80

खण्ड-क : गद्य एवं काव्य

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5
पाठ्यक्रम

1. कादम्बरी (शुकनासोपदेश) - 40

2. शिशुपालवध - प्रथम सर्ग - 40

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में शुकनासोपदेश से एक गद्यांश की संस्कृत व्याख्या एवं एक का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार गद्यांश पूछे जाएँगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में शिशुपालवध से एक पद्य की संस्कृत व्याख्या तथा एक का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल चार पद्य पूछे जाएँगे।

10x2

चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे।

10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड-ख

Credit-1

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit 5+1

पूर्णांक - 100

GAN-H-DSE-603 (Group A)

पूर्णांक - 80

खण्ड-कः महाकाव्य

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम :- (1) रघुवंश प्रथम सर्ग, 1-50 श्लोक मात्र।

40

(2) नैषधीयचरितम् - प्रथम सर्ग 1-25 श्लोक मात्र

40

प्रश्नचयन संबंधी निर्देशः-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में रघुवंश से एक पद्य की संस्कृत व्याख्या तथा एक पद्य का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा।

10x2

तृतीय प्रश्न में नैषधीयचरित से एक पद्य की संस्कृत व्याख्या तथा एक पद्य का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा।

10x2

चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दो टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।

5x4

पाँचवें से आठवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-1

आवृत्तिक मूल्यांकन - 15+05 = 20

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-DSE-603 (Gr. B)

पूर्णांक-80

खण्ड-क: श्रीमद्भगवद्गीता

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम:- गीता- प्रथम एवं द्वितीय अध्याय 80

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2X10

द्वितीय प्रश्न में गीता के प्रथम अध्याय से एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या तथा एक का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार श्लोक पूछे जाएंगे।

10X2

तृतीय प्रश्न में गीता के द्वितीय अध्याय से दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार श्लोक पूछे जाएंगे।

10X2

चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से दो लघुतरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएंगे।

10X2

पंचवें से आठवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit -1,

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

बी.ए. संस्कृत (प्रतिष्ठा) छठ समसत्र

पूर्णांक-100

Credit-5+1

SAH-H-DSE-604 (group-A)

खण्डकः काव्यशास्त्र

अवधि 3 घंटे

पूर्णांक-80

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5

पाठ्यक्रम:-

1. वक्रोक्तिजीवितम् - प्रथम उन्मेष
- आचार्य कुन्तक विरचित

- 80

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश:-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

2x10

द्वितीय प्रश्न में दो अंशों की व्याख्या अपेक्षित होगी।

कुल चार अंश पूछे जाएंगे।

10x2

तृतीय प्रश्न में दो अंशों के हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होंगे। चार अंश पूछे जाएंगे।

2x10

चतुर्थ प्रश्न में ऊपरोक्त पाठ्यांश पर आधारित चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। कुल 4 टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।

4x5

पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-1, आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05=20 अंक

वी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समस्त

Credit-5+1

पूर्णांक-100

SAN-H-DSE-604 (group B)

पूर्णांक-80

खण्डकः न्यायदर्शन

अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5 पाठ्यक्रम - 1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-प्रत्यक्ष खंड पर्यन्त -80
(आचार्य विश्वनाथ पंचानन द्वारा प्रणीत)

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देशः

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x10

द्वितीय प्रश्न में दो अंशों की व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जाएंगे। 2x10

तृतीय प्रश्न में दो अंशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार अंश पूछे जाएंगे। 2x10

चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दो टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी। 10x2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख

Credit-1,

आवृत्तिक मूल्यांकन- 15+05=20 अंक

AECC-01

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र

पूर्णांक-50

पूर्णांक-40

खण्डक

अवधि-1½ घंटे

पाठ्यपुस्तक -

1. पंचतंत्र - अपरीक्षितकारक प्रकरण

- 20

2. व्याकरण - सन्धि प्रकरण (स्वर, व्यंजन तथा विसर्ग)

-20

Group-A

एक आलोचनात्मक प्रश्न, दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

10

Group-B

दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद, चार श्लोक पूछे जाएंगे।

10

Group-C

पाँच पदों का सन्धि विच्छेद, आठ पद पूछे जाएंगे।

10

Group-D

पाँच की सन्धि, आठ प्रष्टव्य होंगे।

10

खण्ड-ख

आन्तरिक परीक्षा - 10 अंक